पेयजल में फ्लोराइड की अधिकता से कुप्रभाव

हड्डियों का फ्लोरोसिस

हाँथों एवं पैरों की हड्डियों का टेढ़ा होना

दाँतों का फ्लोरोसिस

दाँतों का सफेद संगमरमर जैसा दिखना एवं गढ्ढे पड़ना

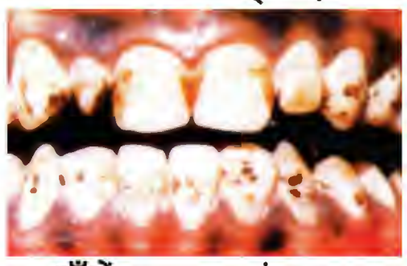

दाँतों पर समानांतर या पंक्ति में धब्बे पड़ना

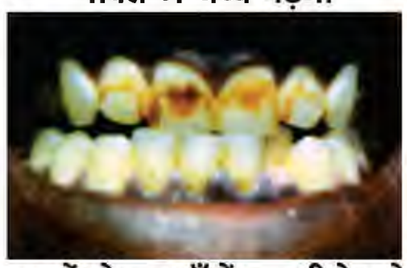

मसूड़ों से दूर दाँतों पर पीले भूरे धारियों जैसे दिखाई पड़ना

पेयजल में फ्लोराइड की मात्रा 1.0 मि0ग्रा0/ली0 से ज्यादा होने पर शरीर पर कुप्रभाव पड़ता है, जिसे फ्लोरोसिस कहते हैं।

फ्लोराइड युक्त जल के बारे में सामान्य जानकारी :

- पानी में फ्लोराइड होने पर न तो पानी का रंग बदलता है और न ही उसका स्वाद व गंध।
- पानी को उबालने से उसमें फ्लोराइड कम नहीं होता।
- स्कूलों में फ्लोरोसिस के सर्वेक्षण से गांवों में इस रोग का पता लगाया जा सकता है।
- फ्लोरोसिस का कोई उपचार नहीं है। इससे बचाव ही एक मात्र उपाय है।
- यदि आरम्भिक स्तर पर फ्लोरोसिस का पता लगा लिया जाए तो बचाव सम्भव है।

फ्लोरोसिस रोग से बचाव

इनका सेवन रोज करें।

पपीता/गाजर

अंडा

आंवला

दूध/दही

नींबू

संतरा

स्रोत : डाक्टर्स हैण्डबुक

फ्लोराइड रिमूवल फिल्टर

यह फिल्टर फ्लोराइड प्रभावित ग्रामों में लगाया जाता है, जिसका मुख्य कार्य ग्राम वासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। इस फिल्टर से जब पानी गुजरता है, तब उसमें से हानिकारक तत्व फ्लोराइड पानी से हट जाते हैं। पीने के लिये शुद्ध पानी मिल जाता है।

फिल्टर की सुरक्षा एवं रख-रखाव :

- हैण्डपम्प तथा फिल्टर के आस-पास गन्दगी न फैलायें।
- प्रत्येक 15 दिन में फिल्टर को बैक वाश अवश्य करें।

फ्लोराइड रिमूवल यूनिट के बैक वॉश की विधि :

- ऊपर वाले वॉल्व को बन्द करके नीचे वाले वॉल्व को चालू करें।
- हैण्डपम्प लगातार चलाएं जब तक पानी साफ न हो जाए।
- ड्रेनेज वॉल्व खोलकर पूरा पानी निकलने दें।
- ऊपर तथा नीचे वाले वॉल्व को पुनः पुरानी स्थिति में कर दें।
- शुद्ध पानी का उपयोग साफ बर्तन में करें।

- पेयजल स्रोत की जल जाँच करा कर अवश्य पता कर लें कि पेयजल स्रोत सुरक्षित है कि नहीं।
- जल जाँच ग्राम पंचायत पर प्रशिक्षित कार्यकर्ता से या फिर जिला स्तर पर जल निगम की प्रयोगशाला में अवश्य करवायें।
- जल जाँच एवं अन्य संबंधित जानकारी के लिये अपने जिले के जिला विकास अधिकारी, अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, अवर अभियंता एवं रसायनज्ञ, उ.प्र जल निगम तथा पेयजल एवं स्वच्छता सहयोग संगठन में कार्यरत सलाहकारों से सम्पर्क करें।

सहयोग : कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग- के.जी.एम.यू. लखनऊ, उ.प्र.जल निगम, पंचायती राज एवं यूनिसेफ।

ग्राम्य विकास विभाग

कृपया पेयजल के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए उ.प्र. जल निगम/एस0डब्लू0एस0एम0 के टोल फ्री नम्बर पर सम्पर्क करें।

☎ 1800 102 5030/1800 180 0525

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उ.प्र.

मुद्रक : गोस्पेल प्रेस, लखनऊ